SHRI SURJIT SINGH BARNALA: Whichever is used as edible oil is treated as edible oil.

केन्द्रीय हिन्दी निदेशालय द्वारा पत्राचार पाठ्यक्रम

*710. श्री नवाब सिंह चौहान : क्या शिक्षा, समाज कल्याण और संस्कृति मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) केन्द्रीय हिन्दी निदेशालय द्वारा चलायी जा रही पत्राचार पाठ्यक्रम योजना की मुख्य बातें क्या हैं और देश में रह रहे ऐसे अहिन्दी भाषी भारतियों तथा विदेशों में रह रहे ऐसे हिन्दी प्रेमियों की संख्या कितनी है जिन्होंने गत तीन वर्षों के दौरान इस योजना के अन्तर्गत दाखिला लिया है; और

(ख) क्या सरकार ने भारतीय भाषाओं के जरिए हिन्दी को पढ़ाने के लिए एक योजना भी शुरू की है अथवा शुरू करने का प्रस्ताव है और उसका ब्यौरा क्या है ?

शिक्षा, समाज कल्याण और संस्कृति मंत्री (डा० प्रताप चन्द्र चन्द्र) : (क) और (ख). विवरण सभा पटल पर रख दिया गया है।

विवरण

अहिन्दी भाषी भारतीयों तथा विदेशियों को हिन्दी प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए, केन्द्रीय हिन्दी निदेशालय को पत्राचार पाठ्यक्रम योजना के अन्तर्गत निम्नलिखित पाठ्यक्रमों का संचालन किया जाता है :—

(क) सामान्य पाठ्यक्रम

(i) हिन्दी प्रवीण : (पढ़ाई शुरू करने वालों के लिए दो साल का एक प्राथमिक पाठ्यक्रम

(ii) हिन्दी परिचय : (हिन्दी प्रवेश के बाद दो साल का एक उच्च पाठ्यक्रम)

(ख) सरकारी कर्मचारियों के लिए तैयार किये गये विशेष पाठ्यक्रम

(i) प्रबोध : (एक साल का प्राथमिक पाठ्यक्रम)

(ii) प्रवीण : (प्रबोध के बाद एक साल का पाठ्यक्रम)

(iii) प्राज्ञ : (हिन्दी प्रवीण के बाद एक साल का उच्च पाठ्यक्रम)

गत तीन सालों में विभिन्न पाठ्यक्रमों में दाखिलों का विवरण निम्न लिखित है :—

वर्ष	भारतिय	विदेशी	कुल
1974–75	5,941	245	6,186
1975–76	6,951	325	7,276
1976–77	15,430	411	15,841

(तमिल माध्यम वाले विद्यार्थियों को शामिल करते हुए)

तमिल के माध्यम से हिन्दी के प्रशिक्षण को जुलाई, 1976 में हिन्दी प्रवेश पाठ्यक्रम से प्रारम्भ किया गया था, जिसमें 3,723 छात्रों ने दाखिला लिया है ।

हिन्दी प्रशिक्षण को दूसरी भारतीय भाषाओं के माध्यम से चरण-बद्ध कार्यक्रम के रूप में प्रारम्भ करने का प्रस्ताव विचाराधीन है ।

श्री नवाब सिंह चौहान : जो स्टेटमेंट सभा पटल पर रखा गया है, उससे मालूम पड़ता है कि 15430 भारतियों और 411 विदेशियों ने 1976–77 में प्रचार पाठ्यक्रम को ग्रहण किया है । इससे पता लगता है कि यह पाठ्यक्रम बड़ा लोकप्रिय है । मैं मंत्री महोदय से यह जानना चाहता हूं कि क्या सरकार ने अपनी तरफ़ से अखबारों में कोई ऐसी चीज़ निकाली है जिस से लोगों को मालूम पड़े कि इस पाठ्यक्रम के लिए कितना धन देना पड़ता है और किस तरह से प्रार्थना-पत्र देने पड़ते हैं ?

डा० प्रताप चन्द्र चन्द्र : अभी हम यह सोच रहे हैं कि किस तरह से और बढ़ाना चाहिए । लेकिन अभी 15,000 लोग आ रहे हैं और दक्षिण से तमिलनाडु से 3,700 से ज्यादा आ रहे हैं ।

श्री नवाब सिंह चौहान : मैंने पूछा था कि कितनी फ़ीस ली जाती है और क्या कोई अखबारों में निकाला गया है कि किस तरह से ऐप्लीकेशन दी जाती है ?

डा० प्रताप चन्द्र चन्द्र : वह सब अखबारों में प्रचार हो रहा है और 20 रु० फ़ीस है साधारण के लिए ।

श्री नवाब सिंह चौहान : तमिल भाषा में हिन्दी पढ़ाने का जिस तरह से कार्य चल रहा है क्या अन्य भाषाओं में भी कोई रूप रेखा बनाई है जिस से उनके जरिये से हिन्दी को पढ़ाने के कार्य को बढ़ाया जाय ?

डा० प्रताप चन्द्र चन्द्र : चरणबद्ध कार्यक्रम से यह चल रहा है । अभी जुलाई 1978 में मलयालम माध्यम से होगा । फिर जुलाई, 1979 में तेलगू से, उसके बाद कन्नड़, बंगाली 1980 में और असामीज़ और उड़िया जुलाई, 1981 में ।

SHRI V. ARUNACHALAM: While this Government is providing facilities to teach Hindi through Indian languages will the Government come forward to teach Tamil, one of the richest languages of the nation, through Hindi in Hindi areas?

DR. PRATAP CHANDRA CHUNDER: Some books have been published by the Directorate of Education, under the self-taught series and we have books like Hindi Tamil Swayamshikshak, price Rs. 3.80, Hindi Telugu Swayamshikshak, price Rs. 1.50 etc. Tamil and Telugu languages can be taught through Hindi medium and that is being done through the special books published under the self-taught series.

श्री ओम प्रकाश त्यागी : मैं मंत्री जी से जानना चाहता हूं कि आपने जो आंकड़े दिये हैं, जितने गैर-हिन्दी भाषियों ने परीक्षायें दी हैं या जानकारी प्राप्त की है, वह प्रान्तवार आंकड़े क्या हैं और इस हिन्दी को जो राष्ट्रीय महत्व का प्रश्न है अधिक से अधिक प्रसारित करने के लिए जो इसके लिए फ़ीस ली जाती है क्या उस फ़ीस को आप माफ़ करने के लिए तैयार हैं, बिना फ़ीस इस का प्रचार किया जाय इस पर विचार करेंगे ?

डा० प्रताप चन्द्र चन्द्र: The fee is very small. Actually it covers the postal charges for students residing in India The fee is Rs. 20/-.

यह बहुत कम ले रहे हैं 20 रु० और डाक का खर्चा इसमें शामिल है ।

MR. SPEAKER: His question is: Are you willing to exempt them?

DR. PRATAP CHANDRA CHUNDER: That can be considered.

श्री उग्रसेन : इस बात को देखते हुए कि क्षेत्रीय भाषाओं का विकास हो दक्षिण के लोग उत्तर की भाषाओं को सीखें और हम लोग तमिल, तेलगू, कन्नड़ सीखें क्या मंत्री जी इसी विभाग के द्वारा दो महीने का रिफ्रेशर कोर्स पढ़ाई के लिए हिन्दी भाषा भाषियों को दक्षिण भेजेंगे और तमिल, तेलगू, कन्नड़ के जानकार लोगों को यहां उत्तर में भेज कर विशेष कर हिन्दी भाषा की पढ़ाई करायेंगे, और खासकर संसद् सदस्यों के लिए कोई विशेष सुविधा देंगे कि अगर हम तमिल, तेलगू, कन्नड़ पढ़ना चाहें तो हमको यही सुविधा दिलायेंगे ?

डा० प्रताप चन्द्र चन्द्र : 3 रु० 80 पैसे की किताब खरीदने से काम पूरा हो सकता है।

डा० सरोजिनी महिषी : सैण्ट्रल हिन्दी डायरेक्टोरेट इस काम को कर रहा है, उसके अलावा और हिन्दी एजेन्सियों को भी इस तरह की इजाजत मिलेगी ? मैं जानना चाहती हूं कि पिछले दो साल में सेण्ट्रल हिन्दी डायरेक्टोरेट को कितनी धनराशि दी गई है, उसका कितना इस्तेमाल हुआ है और पुस्तक प्रकाशन के लिए कितना हिस्सा दिया गया है ?

डा० प्रताप चन्द्र चन्द्र : यह पत्राचार के बारे में जो सवाल है, इस पर सवाल उठा रहे हैं, उसके बारे में मैं यह कह सकता हूं कि 1974-75—outlay Rs 8 lakhs; income—Rs. 1,46,381 and expenditure — Rs. 3,88,918. इस तरह से और भी हैं। आप चाहें तो मैं दे सकता हूं, लेकिन इसके अलावा जो हैं, वह अभी मेरे पास नहीं हैं।

SHORT NOTICE QUESTION

Effect of Phenformin, Drug on Health

SNQ. 28. SHRI M. R. LAKSHMINARAYANAN: Will the Minister of HEALTH AND FAMILY WELFARE be pleased to state:

(a) whether Government are aware that Phenformin, a drug used for diabetics constitutes an imminent hazard to the public health;

(b) whether it is a fact that this drug is being widely used in India; and

(c) if so, what steps Government propose to take to prohibit the use of this medicine?

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री (श्री राज नारायण) : (क) हाल ही में प्रेस में निकले इस समाचार की जानकारी सरकार को है कि संयुक्त राज्य अमेरिका का स्वास्थ्य, शिक्षा और कल्याण विभाग मधुमेह में सेवन की जाने वाली फेनफार्मीन नामक एक दवा पर इसलिए प्रतिबन्ध लगा रहा है कि उस सरकार ने यह देखा कि यह दवा जन स्वस्थ्य के लिए एक आसन्न खतरा है।

(ख) इस देश में फेनफार्मीन का उपयोग मधुमेह के इलाज के लिए हो रहा है किन्तु मधुमेह की खाई जाने वाली अन्य दवाइयों की तुलना में इसका उपयोग अधिक नहीं किया जा रहा है।

(ग) फेनफार्मीन के सेवन पर प्रतिबंध लगाया जाए या नहीं इस प्रश्न पर सरकार इस क्षेत्र के विशेषज्ञों से परामर्श करते हुए विचार कर रही है।

SHRI M. R. LAKSHMINARAYANAN: Before putting my supplementary I have got a submission to make.

My question was tabled in English....

MR. SPEAKER: This is being raised every day. Please put your question.